बेन स्टोक्स का क्रिकेट से संन्यास

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सलमान छोड़ेंगे गैलेक्सी अपार्टमेंट

Page-05

जांच के अनुसार, जनवरी 2026 में केतन अग्रवाल और सिया गोयल के विवाह के लिए दोनों परिवारों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत कुंडली मिलान कराया था। ज्योतिषीय गणना में दोनों की कुंडली के 27 गुण मिले थे, जिसे विवाह के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड
27 गुण मिलने के बावजूद नहीं बच सका रिश्ता

पुणे के चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस जांच के दौरान लगातार ऐसे खुलासे हो रहे हैं, जिन्होंने पूरे मामले को और भी सनसनीखेज बना दिया है। जांच के अनुसार, जनवरी 2026 में केतन अग्रवाल और सिया गोयल के विवाह के लिए दोनों परिवारों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत कुंडली मिलान कराया था। ज्योतिषीय गणना में दोनों की कुंडली के 27 गुण मिले थे, जिसे विवाह के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके बाद दोनों परिवारों ने नवंबर 2026 में विवाह कराने का निर्णय लिया था।हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि इस तय रिश्ते के समानांतर सिया गोयल अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी के संपर्क में लगातार बनी हुई थी। जांच एजेंसियों का दावा है कि सिया ने अपने परिवार को यह विश्वास दिलाया था कि उसने चेतन से संबंध समाप्त कर दिए हैं, लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, डिजिटल चैट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का कहना है कि दोनों लगातार संपर्क में थे और इसी दौरान केतन को रास्ते से हटाने की कथित साजिश तैयार की गई।पुलिस के अनुसार, हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी और आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के लिए कई स्तरों पर तैयारी की। घटना के बाद जांच के दौरान मिले डिजिटल सबूतों और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और कई तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है।इस घटना ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। साथ ही इसने यह भी दिखाया कि केवल पारंपरिक मान्यताओं या कुंडली मिलान के आधार पर किसी रिश्ते की सफलता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। फिलहाल पुलिस सभी उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपपत्र तैयार करने की प्रक्रिया में जुटी है और मामले में आगे भी नए खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

- **पुलिस जांच में सामने आया कि इस तय रिश्ते के समानांतर सिया गोयल अपने कथित प्रेमी चेतन चौधरी के संपर्क में लगातार बनी हुई थी।**
- **हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी और आरोपियों ने घटना को अंजाम देने के लिए कई स्तरों पर तैयारी की।**

अमेरिका में हैदराबाद के युवक की गोली मारकर हत्या, परिवार ने जताई साजिश की आशंका

अमेरिका से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां भारत के रहने वाले एक युवा की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अंशुल कुंचा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले थे। इस घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और परिजन लगातार न्याय की मांग कर रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार अंशुल कुंचा अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में कार्यरत थे। वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी करते थे और सप्ताहांत में अतिरिक्त आय के लिए भोजन वितरण का कार्य भी करते थे। घटना के समय वह एक ऑर्डर पहुंचाने गए थे, जिसके बाद उन पर हमला कर दिया गया। परिवार का आरोप है कि अंशुल को जानबूझकर एक सुनसान स्थान पर बुलाया गया था। उनकी बहन तन्वी कुंचा ने दावा किया है कि यह कोई सामान्य अपराध नहीं बल्कि पहले से रची गई साजिश थी। उनके अनुसार अंशुल को एक ऐसे इलाके में भोजन पहुंचाने के लिए कहा गया, जहां कोई गतिविधि नहीं थी और बाद में उन पर गोलियां चला दी गईं। तन्वी ने कहा है कि परिवार को जानकारी मिली कि अंशुल के सिर में कई गोलियां मारी गई थीं और उन्हें सड़क पर छोड़ दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि अंशुल के पास मौजूद कोई सामान नहीं छीना गया था। यही वजह है कि परिवार इस घटना को लूटपाट से जुड़ा मामला नहीं मान रहा है। गौरतलब है कि परिवार के अनुसार अंशुल ने हमले से कुछ समय पहले ही एक अन्य ऑर्डर सफलतापूर्वक पूरा किया था। इसके बाद वह अगले स्थान पर पहुंचे, जहां उन पर हमला हुआ है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमलावर कितने थे और उनका उद्देश्य क्या था।

विजय ने शुरुआती फैसलों से बदली सरकार की कार्यशैली आलोचकों को दिया जवाब

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सत्ता संभालने के बाद अपने शुरुआती प्रशासनिक फैसलों से राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। फिल्म अभिनेता के रूप में लोकप्रिय रहे विजय ने 2 फरवरी 2024 को अपनी राजनीतिक पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) के गठन की घोषणा की थी। उस समय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि द्रविड़ राजनीति में उनकी भूमिका सीमित रह सकती है, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर राज्य की सत्ता हासिल कर ली।10 मई 2026 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद विजय ने प्रशासनिक व्यवस्था में कई बदलाव लागू किए। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में समयबद्ध कार्य संस्कृति पर जोर देते हुए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक नियमित कार्य प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति, फाइलों के शीघ्र निस्तारण तथा जनता की शिकायतों के समयबद्ध समाधान पर विशेष ध्यान देने के आदेश दिए गए।इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों के लिए सरकारी बस सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी कदम उठाए हैं। उन्होंने कई बैठकों में स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य जनता को तेज और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराना है। विपक्ष ने शुरुआत में विजय के प्रशासनिक अनुभव पर सवाल उठाए थे और दावा किया था कि फिल्मी लोकप्रियता शासन चलाने के लिए पर्याप्त नहीं होती। हालांकि सरकार के शुरुआती फैसलों और प्रशासनिक सक्रियता के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विजय ने अपनी कार्यशैली के जरिए आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस रेलिंग तोड़कर नीचे गिरी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में दो बच्चों सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बांगरमऊ थाना क्षेत्र के देवखारी गांव के पास एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 230 के आसपास सुबह लगभग साढ़े चार बजे हुआ। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार प्राइवेट स्लीपर बस की एक अर्टिगा कार से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। बस के नीचे गिरते ही उसमें सवार यात्रियों में भगदड़ मच गई। कई यात्री बस के भीतर ही फंस गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव अभियान चलाना पड़ा।सूचना मिलते ही पुलिस, यूपीडा (UPEIDA), एंबुलेंस और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। राहतकर्मियों ने गैस कटर और अन्य उपकरणों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल लोगों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और टक्कर के बाद बस के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है। हालांकि तकनीकी जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर ही दुर्घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी संक्रमण के बाद मेदांता अस्पताल में भर्ती

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और देश के वरिष्ठ संत महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वे संक्रमण (इन्फेक्शन) से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। फिलहाल उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यक चिकित्सकीय जांच व उपचार जारी है।करीब 86 वर्षीय महंत नृत्य गोपाल दास लंबे समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में भी समय-समय पर उनकी तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों का कहना है कि अधिक आयु के कारण संक्रमण का प्रभाव गंभीर हो सकता है, इसलिए उनकी निगरानी विशेष सावधानी के साथ की जा रही है।महंत नृत्य गोपाल दास का नाम अयोध्या राम मंदिर आंदोलन से जुड़े प्रमुख संतों में लिया जाता है। उन्होंने वर्षों तक राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और मंदिर निर्माण के अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान में वे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं और मंदिर निर्माण से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा रहे हैं।उनके अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आते ही संत समाज, राम भक्तों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। देशभर से श्रद्धालु उनके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। ट्रस्ट से जुड़े लोगों का कहना है कि महंत जी की देखभाल के लिए डॉक्टरों की अनुभवी टीम लगातार उपचार कर रही है।

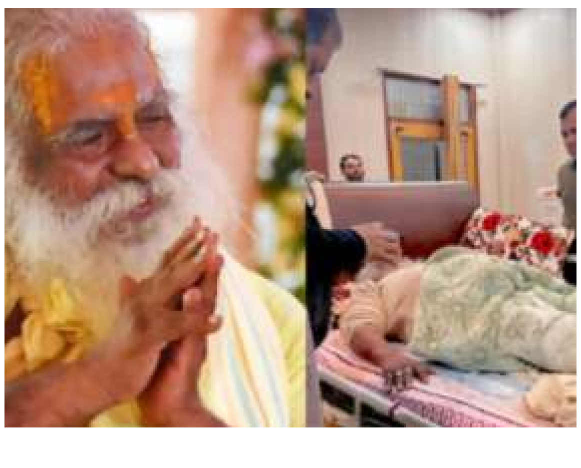

100 करोड़ का मानहानि मुकदमा वापस लेने के दावे के बाद अन्नामलाई का हमला

तमिलनाडु की राजनीति में उस समय नया विवाद खड़ा हो गया जब भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने दावा किया कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) के सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस ले लिया है। अन्नामलाई ने इस घटनाक्रम को अपनी राजनीतिक लड़ाई की नैतिक जीत बताते हुए कहा कि वे 'DMK फाइल्स' अभियान के दौरान लगाए गए प्रत्येक आरोप पर आज भी पूरी तरह कायम हैं।'D M K फाइल्स' अभियान के तहत अन्नामलाई ने सत्तारूढ़ दल के कई नेताओं और उनके परिजनों की कथित संपत्तियों तथा आर्थिक लेन-देन को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों के बाद डीएमके नेताओं ने उन्हें बेबुनियाद बताते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की थी। इसी क्रम में टी.आर. बालू ने कथित रूप से 100 करोड़ रुपये के मानहानि दावे के साथ अदालत का दरवाजा खटखटाया था।अब अन्नामलाई का कहना है कि यदि मुकदमा वापस लिया गया है तो इससे उनके आरोपों की गंभीरता कम नहीं होती। उन्होंने कहा कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखेंगे और जिन मुद्दों को उन्होंने सार्वजनिक किया था, उन पर आज भी पूरी तरह कायम हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डीएमके सरकार जनता के सामने उठाए गए सवालों का जवाब देने के बजाय विरोधियों को कानूनी मामलों में उलझाने का प्रयास करती रही है। आने वाले समय में अदालत और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रिया के बाद पूरे मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दिया बड़ा झटका

जन्मसिद्ध नागरिकता सीमित करने की कोशिश पर रोक

इस फैसले को अमेरिका में रहने वाले लाखों प्रवासी परिवारों के लिए राहत माना जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों ने अदालत के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे संविधान की मूल भावना और समान अधिकारों की रक्षा हुई है। वहीं ट्रंप समर्थकों ने फैसले पर निराशा जताई और कहा कि अवैध आव्रजन पर नियंत्रण के लिए नए कानूनी विकल्प तलाशे जाएंगे।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 1 जुलाई को उस समय बड़ा कानूनी झटका लगा, जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने जन्मसिद्ध नागरिकता (Birthright Citizenship) को सीमित करने संबंधी उनके कार्यकारी आदेश को प्रभावी होने से रोक दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन के तहत अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी बच्चों को नागरिकता का अधिकार प्राप्त है और इसे कार्यकारी आदेश के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता।ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों या अस्थायी वीजा पर मौजूद लोगों के बच्चों को स्वतः नागरिकता नहीं मिलनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसे कई राज्यों, मानवाधिकार संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों ने अदालत में चुनौती दी।सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि संविधान में दिए गए नागरिकता संबंधी प्रावधानों की लंबे समय से चली आ रही व्याख्या को केवल कार्यकारी आदेश के माध्यम से बदला नहीं जा सकता। अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन की इस नीति पर तत्काल रोक लग गई।इस फैसले को अमेरिका में रहने वाले लाखों प्रवासी परिवारों के लिए राहत माना जा रहा है। मानवाधिकार संगठनों ने अदालत के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे संविधान की मूल भावना और समान अधिकारों की रक्षा हुई है। वहीं ट्रंप समर्थकों ने फैसले पर निराशा जताई और कहा कि अवैध आव्रजन पर नियंत्रण के लिए नए कानूनी विकल्प तलाशे जाएंगे।विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला भविष्य में भी अमेरिकी राजनीति का बड़ा मुद्दा बना रहेगा, क्योंकि आव्रजन नीति राष्ट्रपति चुनावों के प्रमुख विषयों में शामिल रही है। इस फैसले से फिलहाल जन्मसिद्ध नागरिकता की व्यवस्था यथावत बनी रहेगी और अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों के नागरिकता अधिकार सुरक्षित रहेंगे।यह निर्णय न केवल अमेरिकी संवैधानिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि इसका असर भविष्य की आव्रजन नीतियों और राजनीतिक बहस पर भी पड़ने की संभावना है।

ईरान ने अमेरिका से बातचीत से किया इनकार

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने अपने विशेष दूतों के माध्यम से कतर में ईरानी अधिकारियों के साथ वार्ता की पहल की थी। इस बैठक का उद्देश्य हाल के सैन्य तनाव के बाद दोनों देशों के बीच संवाद बहाल करना और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में आगे बढ़ना था। हालांकि ईरान ने साफ कर दिया कि वर्तमान हालात में बातचीत के लिए अनुकूल वातावरण नहीं है।ईरान का कहना है कि जब तक उस पर दबाव की नीति जारी रहेगी और उसके सुरक्षा हितों का सम्मान नहीं किया जाएगा, तब तक किसी नई वार्ता का कोई औचित्य नहीं है। दूसरी ओर अमेरिका अब भी कूटनीतिक समाधान की वकालत कर रहा है और उसने संकेत दिया है कि बातचीत का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं हुआ है।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच गतिरोध लंबे समय तक बना रहता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर दुनिया के बड़े हिस्से में कच्चे तेल की आपूर्ति होती है। ऐसे में किसी भी तरह की अस्थिरता वैश्विक ऊर्जा बाजार, तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित कर सकती है।संयुक्त राष्ट्र सहित कई देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का मानना है कि सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक समाधान ही क्षेत्र में स्थायी शांति का आधार बन सकता है। इस बीच दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की कोई नई पहल होती है या नहीं।विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति वैश्विक राजनीति की सबसे संवेदनशील चुनौतियों में से एक बनी हुई है। ऐसे समय में दोनों देशों के रुख से न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार की दिशा भी प्रभावित हो सकती है।

जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना के 31वें सेना प्रमुख के रूप में पहले ही दिन जवानों को दे दिया VIJAY मंत्र

नीतीश कुमार को देश का डिप्टी पीएम यानी उप-प्रधानमंत्री बनाने की मांग

बिहार की सियासत से इस वक्त की एक बहुत बड़ी खबर आ रही है, जिसने दिल्ली से लेकर पटना तक के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है! सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब देश का डिप्टी पीएम यानी उप-प्रधानमंत्री बनाने की मांग उठने लगी है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरजेडी के बाद अब खुद नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के भीतर से भी सुर बुलंद होने लगे हैं। जेडीयू विधायक पंकज मिश्रा ने एबीपी न्यूज़ से खास बातचीत में सीधे तौर पर यह दावा ठोक दिया है कि नीतीश कुमार के पास देश का डिप्टी पीएम बनने की हर काबिलियत है और खुद बिहार की जनता भी यही चाहती है। जेडीयू का तर्क है कि जो नेता पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता संभाल रहा हो, जिसके पास केंद्र में मंत्री रहने का लंबा प्रशासनिक अनुभव हो, अब वक्त आ गया है कि देश उनके इस तजुर्बे का फायदा उठाए और उन्हें दिल्ली की राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी दी जाए। डीयू से भी पहले आरजेडी के सीनियर लीडर मुकेश रोशन ने नीतीश कुमार को लेकर दिल्ली के सियासी गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। आरजेडी

नेता ने साफ शब्दों में मांग की है कि नीतीश कुमार को सिर्फ केंद्र की राजनीति में नहीं भेजा जाना चाहिए, बल्कि उन्हें देश का उप-प्रधानमंत्री (डिप्टी पीएम) बनाया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, आरजेडी का यह प्लान सिर्फ डिप्टी पीएम की कुर्सी तक सीमित नहीं है। मुकेश रोशन ने मांग उठाई है कि नीतीश कुमार के लंबे तजुर्बे को देखते हुए उन्हें देश के कृषि और रेलवे जैसे सबसे भारी-भरकम और अहम मंत्रालय सौंपे जाने चाहिए। आरजेडी का तर्क है कि अगर बिहार का कोई नेता देश के इस शीर्ष पद पर बैठता है, तो यह पूरे प्रदेश के लिए बेहद गौरव की बात होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की विस्तृत बातचीत

बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान सैन्य टकराव के बजाय बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति, क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य और अन्य प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है, इसलिए वहां की स्थिति भारत के आर्थिक हितों से भी सीधे जुड़ी हुई है।ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने क्षेत्रीय हालात की जानकारी साझा करते हुए भारत के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंधों को और मजबूत बनाने, व्यापारिक सहयोग बढ़ाने तथा विभिन्न द्विपक्षीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई।विदेश नीति के जानकारों का कहना है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भारत का संतुलित और संवाद आधारित दृष्टिकोण उसकी वैश्विक कूटनीतिक भूमिका को मजबूत कर रहा है। भारत लगातार सभी पक्षों से संपर्क बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन करता रहा है।विश्लेषकों के अनुसार, यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक गतिविधियों पर भी देखने को मिलेगा। ऐसे समय में भारत की सक्रिय कूटनीतिक पहल को क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सनाए ताकाइची तीन दिवसीय भारत दौरे पर आर्थिक और रणनीतिक सहयोग पर होगी चर्चा

भारत और जापान के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने के उद्देश्य से जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची तीन दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचीं। इस यात्रा को दोनों देशों के आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सनाए ताकाइची के बीच होने वाली उच्चस्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, निवेश, सेमीकंडक्टर निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकी और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।सूत्रों के अनुसार, दोनों देश आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करने, महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विशेष ध्यान देंगे। वैश्विक स्तर पर बदलते आर्थिक और भू-राजनीतिक माहौल को देखते हुए भारत और जापान अपनी रणनीतिक साझेदारी को और व्यापक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।बैठक के दौरान मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना सहित जापान के सहयोग से भारत में चल रही विभिन्न आधारभूत ढांचा परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच रक्षा उपकरणों के संयुक्त विकास, समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा होने की संभावना है।विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की बढ़ती गतिविधियों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच भारत और जापान का सहयोग पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दोनों देश मुक्त, समावेशी और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में लगातार एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं।इस दौरे से व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग को नई दिशा मिलने

की उम्मीद है। साथ ही यह यात्रा दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस बैठक के बाद कई नए समझौतों और संयुक्त पहलों की घोषणा भी की जा सकती है।

संपादक की कलम से

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण विकास की कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गांवों से शहरों की ओर पलायन, बढ़ती जनसंख्या और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार ने शहरों को अवसरों का केंद्र बना दिया है। लेकिन इस विकास की चमक के पीछे एक गंभीर समस्या लगातार विकराल रूप ले रही है—ट्रैफिक जाम और यातायात अव्यवस्था।दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, बेंगलुरु और अन्य बड़े शहरों में रोज़ाना लाखों लोग घंटों ट्रैफिक में फंसे रहते हैं। यह समस्या केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ईंधन की खपत बढ़ाने, प्रदूषण फैलाने और लोगों के मानसिक तनाव को बढ़ाने का भी प्रमुख कारण बन चुकी है। आज स्थिति यह है कि कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में भी घंटों लग जाते हैं। इस समस्या के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है वाहनों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि। हर घर में एक या दो वाहन होना अब आम बात हो गई है। इसके अलावा, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था कई शहरों में अभी भी पर्याप्त और प्रभावी नहीं है। मेट्रो जैसी सुविधाएं कुछ शहरों तक सीमित हैं, जबकि बस सेवाएं कई जगहों पर अनियमित और भीड़भाड़ वाली हैं। दूसरा बड़ा कारण है शहरी नियोजन की कमी। शहरों का विस्तार बिना समुचित योजना के हुआ है, जिससे सड़कों की क्षमता और यातायात दबाव में बड़ा अंतर पैदा हो गया है। अवैध पार्किंग, सड़क किनारे अतिक्रमण और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन भी इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। इस समस्या का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन को मजबूत और आकर्षक बनाना होगा ताकि लोग निजी वाहनों के बजाय बस, मेट्रो और अन्य साझा परिवहन साधनों का उपयोग करें। इसके लिए समयबद्ध सेवा, साफ-सुथरे वाहन और सुरक्षित यात्रा अनुभव जरूरी है। इसके साथ ही, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाना होगा। ट्रैफिक सिग्नल्स का ऑटोमेशन, कैमरा मॉनिटरिंग और रियल टाइम डेटा के आधार पर यातायात नियंत्रण से जाम की स्थिति में काफी सुधार लाया जा सकता है। नागरिकों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ट्रैफिक नियमों का पालन, लेन ड्राइविंग, अवैध पार्किंग से बचाव और अनावश्यक वाहन उपयोग में कमी जैसे छोटे कदम बड़े बदलाव ला सकते हैं। कारपूलिंग और साइकिलिंग जैसे विकल्पों को भी बढ़ावा देना चाहिए।

तमिलनाडु में सरकार गिराने की साज़िश का खुलासा

15 विधायकों को तोड़ने की साजिश का आरोप

तमिलनाडु में TVK विधायक को 35 करोड़ रुपये की पेशकश कर सरकार गिराने की कथित साज़िश का खुलासा हुआ। तीन लोग गिरफ्तार हुए हैं। DMK नेताओं के नाम सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच का दायरा बढ़ा रही है।

सत्ता में सिर्फ़ दो महीने रहने के बाद, तमिलनाडु में विजय की सरकार को गिराने की एक कथित साज़िश का पता चला है। बुधवार को तीन आरोपियों की गिरफ़्तारी के साथ यह मामला सामने आया। आरोप है कि DMK नेताओं ने TVK विधायकों को विधानसभा स्पीकर J C D प्रभाकर के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। यह साज़िश तब सामने आई जब 'तमिलगा वेट्री कज़गम' (TVK) के विधायक एन. एलैयाराजा ने आरोप लगाया कि उन्हें स्पीकर के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इसके बाद पुलिस की जाँच का दायरा बढ़ गया है और जाँच के दौरान डीएमके के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी. अशोक कुमार के नाम भी सामने आए हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब इलायराजा ने 29 जून को चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के अनुसार, थिरुनावुक्कारासु नाम के एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि वह 'इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रेटेजीज़' (I P D S) नाम की एक ओपिनियन पोलिंग संस्था का प्रमुख है। उसने कथित तौर पर विधायक से कहा कि वह एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के सदस्यों की ओर से बात कर रहा है। इलायराजा ने आरोप लगाया कि कॉलर ने उन्हें बताया कि जल्द ही तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया जाएगा और उनसे आग्रह किया कि वे सत्ताधारी TVK के विधायक होने के बावजूद इसके पक्ष में वोट करें। इसके बदले में, कॉलर ने कथित तौर पर उन्हें 35 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। विधायक ने दावा किया कि उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कॉलर से कहा कि वह उनसे दोबारा संपर्क न करे। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद उन्हें धमकी दी गई और बातचीत का खुलासा न करने की चेतावनी दी गई; कॉलर ने कथित तौर पर कहा कि अगर उन्होंने इस बारे में बात की तो उन्हें और उनके परिवार को इसके नतीजे भुगतने होंगे। तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में तीन लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। पुलिस की प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, जांचकर्ताओं को DMK के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी. अशोक कुमार के साथ कथित संबंध भी मिले हैं। पुलिस का दावा है कि अशोक कुमार चेन्नई में आरोपियों में से एक, नरेश से मिले थे। जांचकर्ताओं का यह भी आरोप है कि थिरुनावुक्कारासु ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार के कहने पर इलैयाराजा से संपर्क किया था। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार को गिराने की कोशिश में कम से कम 15 TVK विधायकों को तोड़ने की कथित योजना थी। जांच जारी है और पुलिस ने संकेत दिया है कि जांच का दायरा सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार तक भी बढ़ सकता है।

"अगर कहोगे तो वाराणसी से लड़ूंगा!"

आदित्य ठाकरे का बयान

ऑपरेशन टाइगर का शिकार होने के बाद शिवसेना यूबीटी अब राजनीतिक बेचैनी के दौर से गुजर रही है। पार्टी के युवा नेता और वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे ने ऐसा बयान दे दिया है जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगला चुनाव फिर वर्ली से ही लड़ेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, "अगर आप कहेंगे तो मैं वाराणसी से लड़ूंगा।" इस एक वाक्य ने साफ संकेत दे दिया कि आदित्य ठाकरे भविष्य में लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से ताल ठोंकने का सपना देख रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह राजनीतिक आत्मविश्वास है या फिर अनुभवहीनता से उपजा एक बचकाना दांव? दरअसल वाराणसी कोई सामान्य लोकसभा सीट नहीं है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक गढ़ बन चुकी है। 2014 से लेकर 2024 तक के चुनावी आंकड़े बताते हैं कि मोदी ने यहां केवल चुनाव नहीं जीते बल्कि विपक्ष को मनोवैज्ञानिक तौर पर भी पराजित किया है। 2014 में मोदी ने अरविंद केजरीवाल को भारी अंतर से हराया था। 2019 में उनकी जीत का अंतर और बढ़ गया था। 2024 में भी विपक्षी गठबंधन तमाम कोशिशों के बावजूद मोदी के प्रभाव को तोड़ नहीं पाया। वाराणसी में भाजपा ने केवल संगठन नहीं खड़ा किया बल्कि वहां मोदी की छवि को विकास, हिंदुत्व और राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया है। गंगा घाटों के सौंदर्यीकरण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम परियोजना तक, मोदी ने वाराणसी को अपनी राजनीतिक पहचान का केंद्र बना दिया है। यही कारण है कि वहां भाजपा का चुनाव केवल पार्टी का चुनाव नहीं बल्कि मोदी बनाम बाकी सभी का चुनाव बन जाता है। ऐसे में आदित्य ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेता का वहां जाकर सीधे मोदी को चुनौती देने की बात करना राजनीतिक यथार्थ से कोसों दूर दिखाई देता है।

राम मंदिर दान विवाद पर केजरीवाल का BJP पर तीखा हमला

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (BJP) की सरकारों पर तीखा हमला किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने इस मामले को संभालने के सरकार के तरीके पर सवाल उठाए और दावा किया कि जब तक सरकार नहीं बदलेगी, तब तक कथित गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सज़ा नहीं मिलेगी। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब राम मंदिर दान में कथित चोरी के मामले की जांच चल रही है और कई आरोपियों को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकारें इस मामले में आरोपी लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, "अगर आप चाहते हैं कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, तो सरकार बदलनी होगी। मौजूदा केंद्र सरकार और राज्य सरकार सज़ा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। भगवान राम का हर भक्त जो चाहता है कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, उसे सरकार बदल देनी चाहिए। जब बार एसोसिएशन ने उनका बहिष्कार किया तो मुझे खुशी हुई। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने BJP पर राजनीतिक फायदे के लिए सनातन का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। यह दावा करते हुए कि BJP नेता भगवान राम को सच में भगवान नहीं मानते,

केजरीवाल ने कहा कि ये लोग राम को भगवान नहीं मानते; वरना वे चोरी नहीं करते। भगवान राम ने उन्हें सब कुछ दिया है। उन्होंने 21 राज्यों और केंद्र में सरकार बनाने में उनकी मदद की। उन्हें कम से कम जाकर भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया, "देश का हर सनातनी दुखी और परेशान है। अभी और भी बहुत कुछ सामने आना बाकी है। उन्होंने सनातन का इस्तेमाल सिर्फ़ सत्ता और पैसे के लिए किया है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसकी सनातन में "सच्ची आस्था" है। उन्होंने कहा, "सिर्फ़ आम आदमी पार्टी की ही सनातन में सच्ची आस्था है। हमने लोगों के लिए मुफ़्त तीर्थयात्रा का आयोजन किया। पंजाब में काली और लव-कुश को समर्पित एक मंदिर बनाया जा रहा है। हम भजन संध्याओं का आयोजन कर रहे हैं। हम लोगों को भ्रष्टाचार-मुक्त शासन दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी ही देश की सच्ची सनातनी पार्टी है।

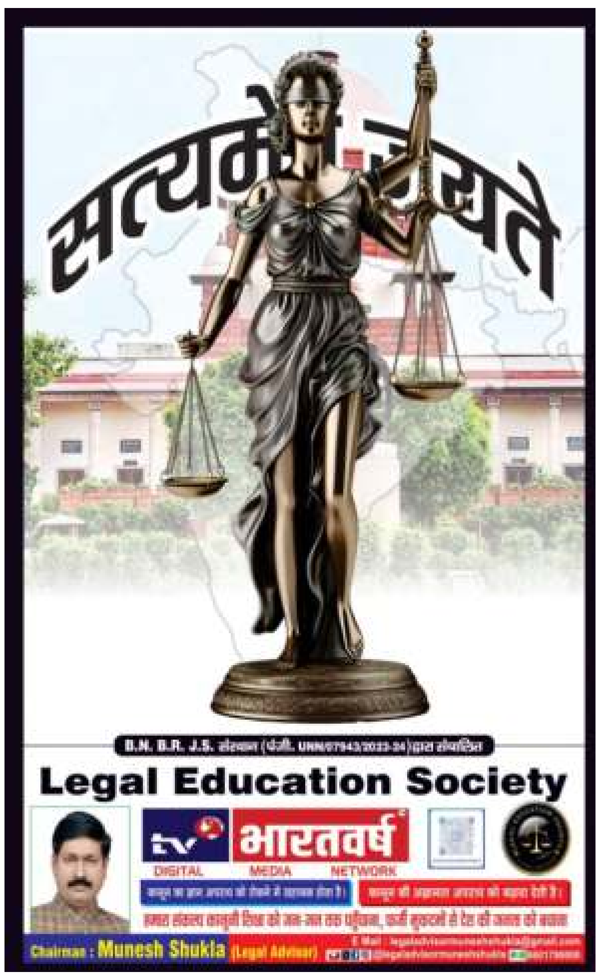

NEET-UG में बड़े बदलाव की तैयारी कंप्यूटर आधारित परीक्षा और नए परीक्षा मॉडल पर मंथन

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG में आने वाले वर्षों में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। संसद की स्थायी समिति की बैठक में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने परीक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की। इनमें सबसे प्रमुख प्रस्ताव NEET-UG को कंप्यूटर आधारित (CBT) मोड में आयोजित करने और परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने का है।बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने पिछले वर्षों में परीक्षा से जुड़े विवादों, पेपर लीक और परीक्षा प्रबंधन पर उठे सवालों का उल्लेख करते हुए NTA से भविष्य की रणनीति पर विस्तृत जानकारी मांगी। इसके जवाब में एजेंसी ने बताया कि परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने और गड़बड़ियों की संभावना कम करने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।सूत्रों के अनुसार, भविष्य में परीक्षा को चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने, कंप्यूटर आधारित प्रारूप अपनाने और परीक्षा केंद्रों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने जैसे सुझावों पर भी मंथन हुआ। हालांकि NTA ने स्पष्ट किया कि अभी किसी भी बदलाव पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और सभी प्रस्ताव विशेषज्ञों तथा संबंधित संस्थाओं से व्यापक चर्चा के बाद ही लागू किए जाएंगे।बैठक में यह भी सवाल उठा कि क्या NEET परीक्षा को अलग-अलग चरणों में कराया जा सकता है। इस पर NTA ने कहा कि फिलहाल एकल परीक्षा प्रणाली ही लागू है, लेकिन भविष्य की आवश्यकताओं और तकनीकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकल्पों का अध्ययन किया जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कंप्यूटर आधारित परीक्षा लागू होती है तो प्रश्नपत्रों की सुरक्षा बेहतर होगी, परिणाम तेजी से जारी किए जा सकेंगे और परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी। वहीं दूसरी ओर देश के ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों में पर्याप्त कंप्यूटर लैब और इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराना भी बड़ी चुनौती होगी।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी बड़े बदलाव से पहले व्यापक परीक्षण और छात्रों को पर्याप्त समय देना आवश्यक होगा, ताकि लाखों अभ्यर्थियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव न पड़े। फिलहाल मेडिकल अभ्यर्थियों और कोचिंग संस्थानों की निगाहें सरकार और NTA के अगले निर्णय पर टिकी हुई हैं।इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में केंद्र सरकार और NTA गंभीरता से काम कर रहे हैं। आने वाले समय में इस संबंध में औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

955 केंद्रों पर AI निगरानी के साथ होगी व्यवस्था

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)-2026 के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षा 2 जुलाई से 4 जुलाई तक प्रदेश के 60 जनपदों के 955 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। इस बार परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहली बार व्यापक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।परीक्षा केंद्रों पर हाई-रिजॉल्यूशन CCTV कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी केंद्रीय कंट्रोल रूम से की जाएगी। AI तकनीक संदिग्ध गतिविधियों की स्वतः पहचान कर संबंधित अधिकारियों को तुरंत अलर्ट भेजेगी। इसके अलावा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उड़नदस्ता दल और पुलिस बल की भी तैनाती की गई है।राज्य सरकार ने नकल रोकने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकॉग्निशन, डिजिटल मॉनिटरिंग और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी और लाखों अभ्यर्थी इसमें शामिल होंगे।अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विभिन्न मार्गों पर विशेष परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है, जिससे दूरदराज़ के जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों को यात्रा में आसानी हो सके। परीक्षा केंद्रों पर समय से पहुंचने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी सलाह दी गई है। शिक्षा विभाग का कहना है कि इस बार पूरी परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। अधिकारियों को किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का दावा है कि नई व्यवस्था से नकल और अन्य गड़बड़ियों पर प्रभावी रोक लगेगी तथा योग्य अभ्यर्थियों को निष्पक्ष अवसर मिलेगा।

सेरेना विलियम्स का विंबलडन 2026 अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया

मेक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

करीब चार दशक से जिस पल का इंतजार मेक्सिको के फुटबॉल प्रशंसक कर रहे थे, वह आखिरकार पूरा हो गया। फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 मुकाबले में मेक्सिको ने अपने ऐतिहासिक एज़्टेका स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए इक्वाडोर को 2-0 से हराकर न केवल अंतिम 16 में जगह बनाई, बल्कि 1986 के बाद पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में जीत भी दर्ज की। खराब मौसम और तेज बारिश के कारण मैच लगभग एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। हालांकि जैसे ही खेल शुरू हुआ, मेजबान मेक्सिको ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया और लगातार इक्वाडोर के गोल पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों के उत्साह के बीच मेक्सिको ने 22वें मिनट में बढ़त हासिल की। रॉबर्टो अल्वाराडो के पास पर जूलियन किन्योनेस ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई, फिर पेनाल्टी क्षेत्र में प्रवेश करते हुए जोरदार प्रहार किया। इक्वाडोर के गोलकिपर हर्नान गालिंदेज के पास इस शॉट को रोकने का कोई मौका नहीं था पहला गोल करने के बाद भी मेक्सिको का दबाव कम नहीं हुआ। लगभग आधे घंटे के खेल के बाद जूलियन किन्योनेस ने एक बेहतरीन पास राउल जिमेनेज को दिया। जिमेनेज ने बिना समय गंवाए जोरदार शॉट लगाया, जो सीधे गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में जाकर लगा। इस गोल के साथ मेक्सिको ने अपनी बढ़त 2-0 कर ली और मुकाबले पर पूरी तरह पकड़ बना ली। गौरतलब है कि दूसरे हाफ में इक्वाडोर ने वापसी की कोशिश जरूर की। मुख्य कोच सेबास्टियन बेक्काचेचे ने कई बदलाव भी किए, लेकिन टीम को इसका कोई खास फायदा नहीं मिला। दूसरी ओर मेक्सिको ने संयम के साथ खेलते हुए विपक्षी टीम को अधिक मौके नहीं दिए। हालांकि जॉन येबोआ और बाद में केविन रोड्रिगेज ने कुछ अवसर बनाए, लेकिन वे गोल में तब्दील नहीं हो सके। मेक्सिको के गोलकिपर राउल रांगेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और अहम मौकों पर बेहतरीन बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी। वहीं मेक्सिको के रक्षक सेसर मोंतेस भी दो बार गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मेजबान ब्रिटेन के लिए विंबलडन की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही

विंबलडन 2026 की शुरुआत मेजबान ब्रिटेन के लिए उम्मीदों के बिल्कुल उलट रही। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही देश के दो सबसे बड़े टेनिस सितारे एमा राडुकानू और जैक ड्रेपर चोट के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसके बाद पहले दिन कोर्ट पर उतरे घरेलू खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी बेहद निराशाजनक रहा। मौजूद जानकारी के अनुसार, अपने पहले दौर के मुकाबले पूरे करने वाले सभी 10 ब्रिटिश खिलाड़ी हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए, जबकि एक अन्य खिलाड़ी का मुकाबला खराब रोशनी के कारण बीच में रोकना पड़ा। बता दें कि वर्ष 2021 में अमेरिका ओपन जीतकर दुनिया को चौंकाने वाली एमा राडुकानू ने टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक दिन पहले पैर में तनावजनित फ्रैक्चर के कारण अपना नाम वापस ले लिया। हाल के दिनों में उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा था। इसी महीने उन्होंने क्वींस क्लब घास के कोर्ट प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचकर शानदार लय दिखाई थी। ऐसे में घरेलू दर्शकों को उनसे बड़ी उम्मीदें थीं। उधर ब्रिटेन के शीर्ष पुरुष खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने भी लंबे समय से चली आ रही हाथ की चोट के कारण विंबलडन से हटने का फैसला किया। गौरतलब है कि पिछले वर्ष वह प्रतियोगिता में चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी थे और वर्ष 2024 के अमेरिका ओपन के सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। इस बार उनका पहले दौर में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से मुकाबला होना था। जैक ड्रेपर ने अपने बयान में कहा कि पिछले एक वर्ष में उन्हें कई मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा, लेकिन विंबलडन से हटना उनके लिए सबसे अधिक दर्दनाक फैसला रहा। उन्होंने कहा कि घरेलू ग्रैंड स्लैम में नहीं खेल पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद कठिन होता है। ड्रेपर के हटने से ब्रिटेन के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एंडी मरे की वापसी की योजना भी अधूरी रह गई। बता दें कि दो बार विंबलडन जीतने वाले एंडी मरे इस बार ड्रेपर की टीम का हिस्सा बनने वाले थे और पूरे घास के कोर्ट सत्र में उनका मार्गदर्शन करने वाले थे।

बेन स्टोक्स का क्रिकेट से संन्यास

इंग्लैंड के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी और टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच के दौरान आए इस फैसले ने खिलाड़ियों से लेकर प्रशंसकों तक सभी को भावुक कर दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, स्टोक्स ने मैच शुरू होने से पहले ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड को अपने फैसले की जानकारी दी। इस दौरान वह काफी भावुक दिखाई दिए और अपने साथियों से आखिरी दो दिनों में पूरी ताकत लगाने की अपील की। उनकी बात खत्म होने के बाद खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने खड़े होकर उनका सम्मान किया बता दें कि 34 वर्षीय बेन स्टोक्स का अंतरराष्ट्रीय करियर करीब 15 वर्षों तक चला। उन्होंने वर्ष 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी और आक्रामक सोच के साथ इंग्लैंड क्रिकेट में नई शैली को बढ़ावा दिया। शुरुआती 13 टेस्ट में उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने 11 मुकाबले जीते, हालांकि बाद के समय में टीम

का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा है। स्टोक्स ने बाद में कहा कि पिछले कुछ महीनों में लगातार क्रिकेट खेलने के कारण वह मानसिक और शारीरिक रूप से काफी थक चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला हारने के बाद उन्होंने अपने भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचना शुरू किया था। उनका कहना था कि अब उनके भीतर पहले जैसी लड़ने की ताकत नहीं बची है। मैदान पर भी स्टोक्स ने अपने आखिरी टेस्ट में शानदार जज्बा दिखाया। उन्होंने लंबा गेंदबाजी स्पेल किया और महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया। चाय के बाद जब वह मैदान पर लौटे तो अंपायरों, न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों और इंग्लैंड टीम ने उन्हें सम्मान स्वरूप गार्ड ऑफ ऑनर दिया। बाद में उन्होंने तेज बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में 30 रन भी बनाए।

मां के त्याग का अनमोल कर्ज

फीस के लिए गिरवी रखे कंगन, अब लौटाया सम्मान

कहते हैं कि मां अपने बच्चों के सपनों के लिए हर मुश्किल सह लेती है. बेंगलुरू की रहने वाली अनुस्मिता की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. उनकी मां ने बेटी की पढ़ाई बीच में न छूटे, इसके लिए अपने सोने के कंगन गिरवी रख दिए. सालों बाद जब बेटी को Flipkart में नौकरी मिली तो उसने अपनी सफलता मां को समर्पित कर दी. अब उसका वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है.

अनुस्मिता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि कॉलेज में एडमिशन के समय फीस जमा करनी थी. उस वक्त उनकी मां ने बिना एक पल सोचे अपने सोने के कंगन गिरवी रख

दिए. उन्होंने लिखा कि मेरी मां ने मेरी कॉलेज एडमिशन फीस भरने के लिए अपने सोने के कंगन गिरवी रख दिए. उन्होंने एक बार भी नहीं सोचा, बस कर दिया. क्योंकि वह हमेशा ऐसा ही करती हैं.वीडियो की शुरूआत मां-बेटी के भावुक गले मिलने से होती है.

व्यूज के लिए खतरनाक स्टंट!

Reel बनाते हुए बुजुर्ग को मारी टक्कर

रील बनाने का जुनून अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगा है. सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में ऐसा ही खतरनाक नजारा देखने को मिला, जहां चलती ऑटो से बाहर लटककर रील बना रहे एक युवक ने सड़क पर जा रहे बुजुर्ग साइकिल सवार को टक्कर मार दी. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार ऑटो सड़क पर दौड़ रही है.

इसी दौरान एक युवक ऑटो से आधा शरीर बाहर निकालकर झूलता और डांस करता नजर आता है. ऐसा लगता है कि वह सोशल मीडिया के लिए रील शूट कर रहा था. कुछ ही सेकंड बाद युवक का हाथ सड़क पर जा रहे एक बुजुर्ग साइकिल सवार से टकरा जाता है. टक्कर इतनी जोरदार होती है कि

बुजुर्ग अपना संतुलन खो देते हैं और सड़क पर गिर पड़ते हैं.वीडियो में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि टक्कर के बाद भी ऑटो नहीं रुकी. युवक बिना पीछे देखे वहां से निकल गया, जबकि बुजुर्ग सड़क पर गिरे पड़े थे.हालांकि, ऑटो के पीछे चल रहा एक बाइक सवार तुरंत रुका. उसने सबसे पहले बुजुर्ग के ऊपर गिरी साइकिल हटाई और फिर उन्हें उठाने में मदद की.

आसपास मौजूद कुछ अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और बुजुर्ग की सहायता की. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोग रील बनाने के लिए की जा रही ऐसी लापरवाही पर नाराजगी जता रहे हैं.कई यूजर्स ने लिखा कि अब सार्वजनिक सड़कें भी लोगों के लिए 'रील शूटिंग सेट' बनती जा रही हैं, जहां बेगुनाह लोगों की जान खतरे में पड़ रही है.

चोरों को सजा दे रहा सीक्रेट 'बैटमैन'

मैक्सिको में इन दिनों एक रहस्यमयी शख्स की तस्वीरें और कारनामे सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं. लोग उसे 'मैक्सिकन बैटमैन' कह रहे हैं. वजह भी ऐसी है कि सुनकर कोई भी हैरान रह जाए. यह अनजान शख्स कथित बाइक चोरों को पकड़ता है, उन्हें डक्ट टेप से खंभों पर बांध देता है, चेहरे पर 'चोर' लिख देता है और फिर मौके से गायब हो जाता है. अब पुलिस भी इस रहस्यमयी 'बैटमैन' की तलाश में जुट गई है.

गोरिल्ला बनकर हंसाने वाले की कहानी

भारी कॉस्ट्यूम में छिपा दर्द

शादी-ब्याह में गोरिल्ला का डांस देखकर लोग खूब हंसते हैं, वीडियो बनाते हैं और तालियां बजाते हैं. लेकिन उस कॉस्ट्यूम के अंदर छिपे इंसान की जिंदगी संघर्ष से भरी होती है. बरेली के गौरव शर्मा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं.

फहद सईद, आजतक

किसी शादी या इवेंट में अचानक गोरिल्ला को नाचते देखकर लोग हंसते हैं, वीडियो बनाते हैं और उसके साथ सेल्फी लेते हैं. लेकिन उस भारी-भरकम कॉस्ट्यूम के अंदर छिपे इंसान की जिंदगी कैसी है, यह बहुत कम लोग जानते हैं. बरेली के रहने वाले 31 साल गौरव शर्मा

पिछले कुछ सालों से शादी और दूसरे इवेंट्स में गोरिल्ला बनकर लोगों का मनोरंजन करते हैं. एक इवेंट के लिए उन्हें करीब 5 हजार रुपये मिलते हैं. इसी कमाई से वह अपनी पत्नी और बेटी का खर्च चलाते हैं. गौरव बताते हैं कि उन्होंने हाईस्कूल तक पढ़ाई की है. पहले वह जागरण में भोलेनाथ का किरदार निभाते थे. इसी दौरान उन्हें पता चला कि गोरिल्ला कॉस्ट्यूम पहनकर भी अच्छी कमाई हो सकती है. उन्होंने यह काम शुरू किया और धीरे-धीरे बुकिंग मिलने लगी. गौरव कहते हैं कि गर्मियों और उमस के मौसम में यह काम सबसे ज्यादा मुश्किल होता है. कॉस्ट्यूम के अंदर पसीना भर जाता है. कई बार सांस लेने में भी दिक्कत होती है. वह बताते हैं कि गोरिल्ला की ड्रेस के अंदर एक छोटा पंखा और हवा आने-जाने की व्यवस्था होती है. इसके बावजूद लंबे समय तक इसे पहनकर नाचना बेहद थका देने वाला होता है.

'अगर नौकरी मिल जाए तो यह काम छोड़ दूंगा'

गौरव कहते हैं कि यह उनका सपना नहीं, बल्कि मजबूरी है. अगर कोई अच्छी नौकरी मिल जाए तो मैं यह काम छोड़ दूंगा. लेकिन जब तक दूसरा रास्ता नहीं मिलता, यही करूंगा. परिवार चलाना है, इसलिए जो काम मिलेगा, वही करूंगा. ईश्वर जो रास्ता दिखाए, उस पर ही चलना है.

आज की तस्वीर

'इक्का' की झलक

मुंबई में आयोजित फिल्म 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में अभिनेत्री दीया मिर्जा, एक्टर सनी देओल और एक्ट्रेस तिलोत्तमा शोम ने शिरकत की. इस अवसर पर कलाकारों ने फिल्म से जुड़े अनुभव साझा किए और मीडिया से बातचीत की. ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्म की कहानी, किरदारों और निर्माण से जुड़ी जानकारियां भी साझा की गईं. (Photo: PTI)

बांद्रा के नए 6 मंजिला सी-फेसिंग बंगले का सच आया सामने

सलमान छोड़ेंगे गैलेक्सी अपार्टमेंट?

सना फरज़ीन, आजतक

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान को लेकर बीते कई दिनों से खबरें हैं कि वो गैलेक्सी अपार्टमेंट छोड़ रहे हैं. कहा गया कि एक्टर गैलेक्सी अपार्टमेंट को अलविदा कहकर बांद्रा में बनने वाले नए सी-फेसिंग घर में शिफ्ट होंगे.

ये फैंस के लिए शॉकर था. लेकिन अब इस दावे की सच्चाई सामने आई है. इंडिया टुडे को सूत्रों ने बताया कि ये प्रॉपर्टी खान खानदान के पास पिछले 10 साल से भी ज्यादा समय से है. ऐसा कुछ नहीं है कि इसे हाल फिलहाल में खरीदा गया है. प्रॉपर्टी दोबारा से इसलिए चर्चा में है क्योंकि महाराष्ट्र

कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी (MCZMA) ने इसके री-डेवलपमेंट के प्रस्ताव की मंजूरी को लेकर सिफारिश की है. इस प्रपोजल के कारण इस प्रॉपर्टी पर कंस्ट्रक्शन का काम आगे बढ़ सकेगा. 16 जून को अथॉरिटी की 198वीं मीटिंग में इस प्रपोजल को लेकर चर्चा हुई.

इंडिया टुडे को मिले ऑफिशियल दस्तावेजों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में बांद्रा (वेस्ट) में एक रिहायशी प्रॉपर्टी का रीडेवलपमेंट प्लान शामिल है. जिसके मुताबिक, यहां पहले मौजूद पुरानी बिल्डिंग को सभी जरूरी मंजूरियां लेने के बाद गिराया जा चुका है.

लखनऊ से संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ, डिप्टी सीएम ने किया उद्घाटन

उत्तर प्रदेश में 1 जुलाई से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लोहिया संस्थान से शुभारंभ किया। अभियान में डेंगू, मलेरिया व अन्य रोगों से बचाव हेतु घर-घर जागरूकता, सफाई और सर्वे किया जाएगा।

यूपी में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 1 जुलाई से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत हो गई। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान से अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य अमित घोष भी मौजूद रहे। अभियान के तहत 1 जुलाई से 31 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। साथ ही बुखार, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस और अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए सर्वे, सफाई और जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में कभी सबसे बड़ी चुनौती रहे इंसेफलाइटिस पर अब लगभग 99% तक नियंत्रण पाया जा चुका है। वहीं, डेंगू और मलेरिया के मामलों में भी काफी हद तक कमी आई है, हालांकि इन बीमारियों को पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए आम जनता की सक्रिय भागीदारी अभी भी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार वर्ष में तीन बार संचारी रोग नियंत्रण एवं जागरूकता अभियान चलाती है। जिसमें 13 विभागों के समन्वय से व्यापक स्तर पर काम किया जाता है। इसके बावजूद केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक आम लोग अपने घर और आसपास साफ-सफाई नहीं रखेंगे। मच्छरों के पनपने की परिस्थितियां समाप्त नहीं करेंगे। तब तक इन बीमारियों पर पूरी तरह अंकुश लगाना मुश्किल रहेगा। उन्होंने लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया। डिप्टी सीएम ने लोगों से घर और आसपास पानी जमा न होने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सीलन, गंदगी और धूल से दूरी बनाए रखें। भोजन करने से पहले साबुन से हाथ धोने की आदत अपनाएं। साफ और सुरक्षित पानी पीने, बाजार में खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों तथा कोल्ड ड्रिंक के अत्यधिक सेवन से बचें। नियमित व्यायाम भी बहुत जरूरी है। डिप्टी सीएम ने कहा कि डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से कम हो सकती हैं। जिससे मरीज की जान जोखिम में पड़ जाती है। इसलिए बीमारी होने का इंतजार करने के बजाय मच्छरों के लार्वा को पनपने से रोकना सबसे प्रभावी उपाय है। इससे डेंगू, मलेरिया, इंसेफलाइटिस, चिकनगुनिया से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीमारियों के इलाज पर सबका फोकस रहता है। लेकिन बीमारी होने से पहले बचाव और रोकथाम को लेकर पर्याप्त जानकारी साझा नहीं की जाती। लोगों को रोकथाम आधारित जागरूकता अभियान से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ने लोहिया संस्थान के एमबीबीएस फर्स्ट ईयर और बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई, हॉस्टल और भोजन की गुणवत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी ली। छात्रों से पूछा कि उन्हें घर की याद तो नहीं आ रही, भोजन कैसा मिल रहा है। हॉस्टल में किसी प्रकार की असुविधा तो नहीं है। छात्रों ने भोजन और हॉस्टल व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। उन्होंने छात्रों से अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करने की अपील करते हुए कहा कि माता-पिता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें यहां भेजा है। यदि विद्यार्थी अपनी आत्मा की आवाज सुनकर ईमानदारी से मेहनत करेंगे तो जीवन की हर चुनौती पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

बिजली कर्मचारियों के मुद्दों पर संघर्ष समिति और पावर कॉरपोरेशन आमने-सामने

बिजली कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पावर कॉरपोरेशन और संयुक्त संघर्ष समिति आमने-सामने आ गए हैं। लखनऊ में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों और संविदा कर्मियों से जुड़े मुद्दों पर पावर कॉरपोरेशन शासन को भ्रामक सूचनाएं भेज रहा है। समिति का कहना है कि इससे न केवल कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि शासन के सामने वास्तविक स्थिति भी छिपाई जा रही है। इसे लेकर समिति ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि संघर्ष समिति द्वारा कर्मचारियों और संविदा कर्मियों की समस्याओं के संबंध में भेजे गए पत्रों पर जब शासन या ऊर्जा मंत्री कार्यालय से आख्या मांगी जाती है, तब पावर कॉरपोरेशन भ्रामक जवाब भेज देता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में ऊर्जा निगमों में संविदा कर्मचारियों को मुख्यमंत्री द्वारा घोषित आउटसोर्स निगम के दायरे में न लाए जाने की शिकायत की गई थी। जब इस पर जवाब-तलब हुआ तो पावर कॉरपोरेशन ने कहा, सिस्टम में सुधार व तकनीकी पुनर्गठन (वर्टिकल व्यवस्था) के कारण आवश्यकता के अनुसार ही संविदा कर्मियों को रखा जा रहा है और यह व्यवस्था तकनीकी दृष्टि से आवश्यक है।

लखनऊ में ग्राम रोजगार सेवकों का शक्ति प्रदर्शन

लखनऊ में बुधवार (1 जुलाई) को 9:05 पर ग्राम रोजगार सेवकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शक्ति प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के बैनर तले प्रदेशभर से पहुंचे रोजगार हजरतगंज स्थित दारुलशफा के सामने प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद वे विधानसभा घेरने के लिए आगे बढ़े, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो इको गार्डन में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करेंगे। जरूरत पड़ने पर भूख हड़ताल और विधानसभा घेराव भी किया जाएगा। प्रदेश उपाध्यक्ष राम लखन तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को ग्राम रोजगार सेवकों के हित में की गई घोषणाएं आज तक लागू नहीं हुई हैं। कई बार शासन स्तर पर मांग उठाने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 7,788 रुपए प्रतिमाह मानदेय मिलता है। आरोप है कि पिछले डेढ़ से दो वर्षों से कई ग्राम रोजगार सेवकों को मानदेय का भुगतान भी नहीं हुआ है। आर्थिक संकट के चलते उनके सामने परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। राम लखन ने कहा आर्थिक तंगी और उपेक्षा के कारण कई ग्राम रोजगार सेवकों ने आत्महत्या तक कर ली। लेकिन सरकार और प्रशासन ने उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रमुख सचिव स्तर की वार्ता में उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो इको गार्डन में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा, अगर आवश्यकता पड़ी तो भूख हड़ताल और विधानसभा का घेराव भी करेंगे। राम लखन का कहना है कि हम लोगों ने हमेशा सरकार के हित में काम किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं को जान जनता तक पहुंचने में भूमिका निभाई है जहां भी आवश्यकता पड़ी है, अपना सत प्रतिशत योगदान दिया है। उसके बाद किस प्रकार से नजर अंदाज करना बेहद दुखद है।

लखनऊ-नोएडा (जेवर) के बीच नियमित हवाई सेवा शुरू

लखनऊ और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के बीच बुधवार से नियमित हवाई सेवा शुरू हो गई है। इंडिगो एयरलाइन दोनों शहरों के बीच रोजाना चार उड़ानों का संचालन करेगी। नई सेवा शुरू होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के साथ-साथ लखनऊ के यात्रियों को तेज और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। सबसे बड़ी राहत यह होगी कि अब यात्रियों को उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली के एयरपोर्ट तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। विभाग का आरोप है कि कूटरचना कर फर्जी NOC तैयार कराया गया और उसी के आधार पर बिजली निगम से कनेक्शन ले लिया गया। सहायक निदेशक के मुताबिक, वर्ष 2016 में जारी असली NOC की प्रति, डिस्पैच रजिस्टर की छाया प्रति, बिजली बिल और संबंधित अभिलेख पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। आगे इसी के नियमानुसार कार्रवाई होगी। नई सेवा को यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद मिला है। इंडिगो के 76 सीटों वाले एटीआर विमान की अधिकांश सीटें पहले ही बुक हो चुकी हैं। नोएडा से लखनऊ आने वाली पहली उड़ान में 72 सीटें और लखनऊ से नोएडा जाने वाली उड़ान में 74 सीटों की बुकिंग हो चुकी है, जिससे इस रूट की मांग का अंदाजा लगाया जा सकता है। इंडिगो की सभी चार उड़ानें सप्ताह के सातों दिन संचालित होंगी। सुबह 6:00 बजे फ्लाइट संख्या 6E-7624 नोएडा से लखनऊ के लिए रवाना होगी। सुबह 7:40 बजे 6E-7625 लखनऊ से नोएडा पहुंचेगी। दोपहर 3:05 बजे 6E-7628 नोएडा से लखनऊ के लिए उड़ान भरेगी। वहीं रात 9:35 बजे 6E-7629 लखनऊ से रवाना होकर रात 10:50 बजे नोएडा पहुंचेगी।

सुशांत गोल्फ सिटी के अधूरे विकास कार्य अब पूरे करेगा एलडीए

अंसल एपीआई की सुशांत गोल्फ सिटी में वर्षों से अधूरे पड़े विकास कार्य अब तेजी से पूरे होंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने टाउनशिप के विकास की जिम्मेदारी अपने हाथ में लेने की तैयारी कर ली है। इसके साथ ही लंबे समय से लंबित फर्जी रजिस्ट्री के मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी। इससे हजारों आवंटियों और निवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। सोमवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक में एलडीए के अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से सुशांत गोल्फ सिटी के विकास कार्यों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। अधिकारियों ने बताया कि टाउनशिप में सड़क, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज और पार्कों समेत बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम कराया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि बिल्डर की ओर से अधूरे छोड़े गए विकास कार्यों को एलडीए पूरा कराएगा, ताकि वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में रह रहे लोगों को राहत मिल सके। अधिकारियों ने टाउनशिप की वर्तमान स्थिति और प्रस्तावित कार्यों की जानकारी भी मंडलायुक्त को दी।

इंदिरानगर में देर रात मंदिर को बनाया निशाना, CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

लखनऊ के इंदिरानगर थाना क्षेत्र स्थित तकरोही गांव के संतपुरम स्थित प्राचीन साईं चेतना सनातन धर्म मंदिर में चोर ने देर रात दान पेटी चोरी कर ली। मंदिर परिसर का शीशा तोड़कर अंदर घुसा चोर पूरी दान पेटी उठाकर फरार हो गया। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया कि दान पेटी में कितना रुपया था। घटना मंदिर में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई है। घटना मंगलवार-बुधवार की रात करीब 2:17 बजे की बताई जा रही है। फुटेज में एक युवक दान पेटी ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। मंदिर ट्रस्ट की ओर से आशंका जताई गई है कि फुटेज में दिख रहा युवक सुल्तान नाम का है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।सूचना मिलने पर इंदिरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने CCTV फुटेज कब्जे में लेकर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि संतपुरम का यह मंदिर वर्षों पुराना है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर से दान पेटी चोरी होने की घटना के बाद लोगों में नाराजगी है। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। भाजपा मंडल महामंत्री आशीष कुमार तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से 15-20 दिन के अंतराल पर चोरी की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने पहले भी पुलिस को पत्र लिखकर रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि हाल के दिनों में कई चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं और अब मंदिर को निशाना बनाए जाने से लोगों में भय का माहौल है।

उन्नाव में 'मिशन सेफ फ्यूचर' की शुरुआत, 15 जुलाई तक चलेगा अभियान

उन्नाव में स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने 'मिशन सेफ फ्यूचर' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की जाएगी। यह अभियान बुधवार से 15 जुलाई तक चलेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित यात्रा प्रदान करना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। लखनऊ के आरटीओ प्रवर्तन प्रभात पाण्डेय ने बताया कि स्कूली वाहनों की फिटनेस और परमिट को अपडेट कराने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को देश का भविष्य मानते हुए उनकी सुरक्षा के लिए इस पहल को 'मिशन सेफ फ्यूचर' नाम दिया गया है। पाण्डेय ने यह भी बताया कि अप्रैल और मई माह में भी सभी जिलों में स्कूली वाहनों को लेकर इसी तरह का अभियान चलाया गया था। जून में स्कूलों की छुट्टियां होने के कारण इसे रोक दिया गया था, लेकिन अब 1 जुलाई से स्कूल खुलने के बाद अभियान को दोबारा शुरू किया गया है। आरटीओ के अनुसार, अभियान को दो चरणों में संचालित किया जाएगा। पहले चरण में, 1 जुलाई से 7 जुलाई तक उन विद्यालयों से संपर्क किया जाएगा जिनके वाहनों के परमिट या फिटनेस समाप्त हो चुके हैं। ऐसे स्कूलों को नोटिस जारी कर और फोन के माध्यम से जानकारी देकर आवश्यक दस्तावेज पूरे कराने के लिए कहा जाएगा। दूसरे चरण में, 8 जुलाई से 15 जुलाई तक एक संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। इसमें परिवहन विभाग, पुलिस और शिक्षा विभाग की टीमें मिलकर कार्रवाई करेंगी। यदि इस अवधि में कोई वाहन बिना फिटनेस या परमिट के सड़क पर चलता पाया गया, तो उसे जब्त कर चालान किया जाएगा। साथ ही, संबंधित स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग के माध्यम से मान्यता रद्द करने की सिफारिश भी की जा सकती है। प्रभात पाण्डेय ने यह भी बताया कि कई निजी वाहन बिना अनुमति के स्कूलों में बच्चों को लाने-ले जाने का काम करते हैं। ऐसे अनाधिकृत वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन दल लगातार अभियान चलाएंगे। तो उसे निर्धारित मानकों को पूरा करना होगा और परमिट व फिटनेस के साथ ही संचालन करना होगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान केवल दस्तावेजों की जांच ही नहीं की जाएगी, बल्कि वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने वालों पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग भी हादसों का बड़ा कारण बन सकती है। परिवहन विभाग का पहला उद्देश्य वाहनों को सुरक्षित और मानकों के अनुरूप करना है। इसके बाद क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने, सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने और अन्य लापरवाहियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्कूल प्रबंधन और वाहन संचालकों से अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

उन्नाव में तेज बारिश से बदला मौसम, गर्मी से मिली राहत

उन्नाव में बुधवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से बड़ी राहत मिली। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। उन्नाव शहर, शुक्लागंज सहित जिले के कई हिस्सों में सुबह से ही आसमान में बादल छा गए थे। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परेशानी महसूस कर रहे थे। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह जिले का अधिकतम तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में इस गिरावट से गर्मी और उमस का प्रभाव कम हुआ। सुबह से चल रही ठंडी हवाओं और बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। हालांकि, बारिश के बाद शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जलभराव और कीचड़ की स्थिति भी देखने को मिली। कई सड़कों के किनारे पानी भर गया, जिससे आवागमन में लोगों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ा।

उन्नाव में टीईटी परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी, सात केंद्रों पर होगी परीक्षा

उन्नाव में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को शांतिपूर्ण और नकलविहीन संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह परीक्षा शहर के सात केंद्रों पर 2, 3 और 4 जुलाई को आयोजित की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है, जिसमें सीसीटीवी निगरानी और भारी पुलिस बल की तैनाती शामिल है। परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। केंद्र व्यवस्थापकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीईटी परीक्षा 2 और 3 जुलाई को दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। 4 जुलाई को परीक्षा केवल एक पाली में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। शहर में सात परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें डीएसएन पीजी कॉलेज ब्लॉक-ए, डीएसएन कॉलेज ब्लॉक-बी, अटल बिहारी इंटर कॉलेज, श्याम कुमारी सेठ बाल निकुंज नेहरू बालिका इंटर कॉलेज, डॉ. जीनाथजी दयाल गर्ल्स इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज उन्नाव और पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, पहले दिन दोनों पालियों में कुल 4704 अभ्यर्थी शामिल होंगे। दूसरे दिन पहली पाली में 2352 और दूसरी पाली में 1680 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। तीसरे दिन पहली पाली में 1680 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से लेकर समाप्ति तक विशेष निगरानी रखी जाएगी, और आसपास भी पुलिस बल तैनात रहेगा ताकि कोई अव्यवस्था न हो। परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी और कंट्रोल रूम से भी व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। एडीएम सुशील कुमार ने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केंद्रों पर समय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों से भी अपील की गई है कि वे निर्धारित समय से पहले केंद्र पर पहुंचें और परीक्षा संबंधी सभी नियमों का पालन करें। प्रशासन का उद्देश्य है कि टीईटी परीक्षा बिना किसी व्यवधान के सकुशल संपन्न कराई जा सके।

उन्नाव में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ

उन्नाव में बुधवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला अस्पताल परिसर से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश दिया। जागरूकता रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने हाथों में संचारी रोगों से बचाव संबंधी संदेश लिखी तख्तियां ले रखी थीं। उन्होंने नारे लगाकर लोगों से अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। छात्र-छात्राओं ने लोगों को जलभराव से होने वाले खतरों के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि घरों के आसपास पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। बच्चों ने लोगों से मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने और बुखार या अन्य लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टरी सलाह लेने का आग्रह किया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत पूरे जिले में व्यापक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इन गतिविधियों में साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार, फॉगिंग, एंटी-लार्वा का छिड़काव और लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक करना शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताएंगी। स्वास्थ्यकर्मी बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें समय पर इलाज कराने के लिए प्रेरित करेंगी। साथ ही, स्वच्छ पेयजल, व्यक्तिगत स्वच्छता और मच्छरों से बचाव के तरीकों पर भी जानकारी प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी बताया कि बारिश के मौसम में संचारी रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इन बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए लोगों की जागरूकता और सक्रिय सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, कर्मचारी, स्कूली शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों से अभियान में सहयोग करने और अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सावधानी से संचारी रोगों के फैलाव को काफी हद तक रोका जा सकता है।

पोनी रोड चौड़ीकरण का विरोध, व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

उन्नाव में पोनी रोड चौड़ीकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा मकानों और दुकानों पर नोटिस चस्पा किए जाने के बाद स्थानीय व्यापारियों ने बुधवार को अपनी रोजी-रोटी बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि दुकानें हटाने से पहले उन्हें वैकल्पिक स्थान पर दुकान उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि ऐसा न होने पर उनके परिवारों का भरण-पोषण प्रभावित होगा। प्रदर्शनकारी व्यापारियों ने बताया कि वे पिछले 40 से 50 वर्षों से इन दुकानों के माध्यम से अपना परिवार चला रहे हैं। वे लंबे समय से मामूली किराए पर दुकानें संचालित कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में 5 हजार रुपये से कम किराए में नई दुकानें मिलना मुश्किल है। इस स्थिति में अचानक दुकानें हटाए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोगों के दबाव में छोटे दुकानदारों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतनी कम अवधि में नई जगह तलाशना और कारोबार दोबारा शुरू करना आसान नहीं है। व्यापारियों की मांग है कि प्रशासन पहले उनके लिए उचित व्यवस्था करे, उसके बाद ही चौड़ीकरण की कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क चौड़ीकरण विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन इससे प्रभावित लोगों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यापारियों ने मांग की है कि जिन दुकानदारों की दुकानें हटाई जा रही हैं, उन्हें पुनर्वास की व्यवस्था दी जाए।

शराब ठेका हटाने की मांग लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीण

उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र स्थित पिडोखा गांव में शराब ठेका खोले जाने का विरोध तेज हो गया है। बुधवार को दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने गांव से शराब ठेका हटाने की मांग की है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि यह शराब ठेका गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित है। इसके आसपास मंदिर, विद्यालय और घनी आबादी है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेका खुलने से गांव का माहौल खराब हो रहा है और यहां शराब पीने वालों की भीड़ लगने की आशंका है। ग्रामीणों के अनुसार, इस मार्ग से छोटे बच्चे, महिलाएं और बेटियां गुजरती हैं। उन्हें शराब के नशे में धुत लोगों द्वारा अभद्र व्यवहार का खतरा रहता है। इससे गांव की सुरक्षा और सामाजिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ठेके के स्थान पर पूर्व में भी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों का मानना है कि ठेका संचालित होने से हादसों की आशंका और बढ़ सकती है। उन्होंने प्रशासन से जनहित में शराब ठेके को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते ठेका नहीं हटाया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सिटी मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह ने ग्रामीणों की शिकायत सुनने के बाद मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यवस्था का विरोध करना नहीं है, बल्कि गांव के बच्चों, महिलाओं और सामाजिक माहौल को सुरक्षित रखना है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में जल्द निर्णय लेने की अपील की है।

अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन पर यूपी में जश्न का माहौल

सपा मुखिया अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन पर यूपीभर में जश्न हुआ। कार्यकर्ताओं ने हवन, रैली और कार्यक्रम किए। लखनऊ में उन्होंने फंड जुटाने का अभियान शुरू किया। नेताओं ने बधाई दी और विभिन्न स्थानों पर आयोजन हुए।

सपा मुखिया अखिलेश यादव 53 साल के हो गए। आज, बुधवार को उनका बर्थडे है। प्रदेशभर में सपा कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में उनका बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। काशी में सुबह 7 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने हवन-पूजन किया। इसमें एक पोस्टर में अखिलेश को भगवान श्रीकृष्ण की तरह दिखाया है। दोनों हाथ में संविधान है। दोपहर करीब 1 बजे अखिलेश लखनऊ में सपा दफ्तर पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजाकिया लहजे में कहा- हम साल में कई बार जन्मदिन मनाते हैं। जिस दिन केक या लड्डू खाने का मन हो, उस दिन जन्मदिन है। अखिलेश ने पार्टी फंड जुटाने के लिए सहयोग अभियान लॉन्च किया। क्यूआर कोर्ड जारी करते हुए लोगों से 20-20 रुपए चंदा मांगा है। अखिलेश की एक झलक पाने के लिए 10 हजार कार्यकर्ता पार्टी दफ्तर के बाहर जुटे। उनके बीच अखिलेश से हाथ मिलाने की होड़ मची रही। वाराणसी में अखिलेश के जन्मदिन पर राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जूलूस निकालने का ऐलान करने वाले सपा के प्रदेश सचिव लालू यादव को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। सपा नेता की कालभैरव कोतवाली के इंस्पेक्टर दयाशंकर सिंह से कहासुनी हुई। सपा नेता ने अंगुली दिखाकर कहा- आप जैसे इंस्पेक्टर बहुत देखे हैं। मैं सम्मान कर रहा हूं, आप सिर पर चढ़े जा रहे हैं। सीएम योगी ने भी अखिलेश को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने X पर लिखा- प्रभु श्री राम से आपके लिए आरोग्यता और दीर्घायु की प्रार्थना है। लखनऊ में अखिलेश के आवास के बाहर किन्नर समुदाय ने ढोल-नंगाड़ों के साथ जमकर डांस किया। रथ यात्रा निकाली। वहीं, सपा नेता इकलाख ने दादामियां की दरगाह पर चादर चढ़ाई। लखनऊ में कई जगह अखिलेश को 'भावी पीएम' दिखाते हुए पोस्टर लगे हैं। सैफई में सुबह 9 बजे चाचा रामगोपाल यादव ने केक काटा। 53 पौधे लगाकर भतीजे का जन्मदिन मनाया। मुरादाबाद सांसद रुचिवीरा ने 53 फीट लंबा केक बनवाया है। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 53 पुशअप लगाए। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अखिलेश को बधाई दी।

कानपुर के 'द स्पोर्ट्ज़ हब' में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय पिलाटीज सुविधा

कानपुर के फिटनेस लवर्स के लिए एक अच्छी खबर है। महानगर के प्रीमियम खेल एवं स्वास्थ्य केंद्र 'द स्पोर्ट्ज़ हब' में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की पिलाटीज सुविधा की शुरुआत हो गई है। बुधवार की शाम 4 बजे 'वाईकेबीआई-द स्पोर्ट्ज़ हब स्टूडियो' का शानदार शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन देश की सबसे चर्चित सेलिब्रिटी पिलाटीज ट्रेनर यास्मीन कराचीवाला ने किया। यास्मीन कराचीवाला का कानपुर आना यहां के फिटनेस के शौकीनों के लिए बेहद खास रहा। उन्होंने न सिर्फ स्टूडियो की शुरुआत की, बल्कि 'द स्पोर्ट्ज़ हब' के 60 मेंबर्स को खुद पिलाटीज की बारीकियां भी सिखाईं। इसके लिए 20-20 सदस्यों के तीन स्पेशल बैच बनाए गए थे। बॉलीवुड सितारों को ट्रेंड करने वाली मास्टर कोच से सीधे ट्रेनिंग लेना यहां के मेंबर्स के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बन गया। यास्मीन कराचीवाला फिटनेस इंडस्ट्री का एक बहुत बड़ा नाम हैं। वे बॉलीवुड और खेल जगत की कई नामचीन हस्तियों को पर्सनल ट्रेनिंग दे चुकी हैं। उनकी क्लाइंट लिस्ट में कैटरीना कैफ, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, जैकलीन फर्नांडिस जैसी टॉप अभिनेत्रियां शामिल हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और के.एल. राहुल जैसे स्टार खिलाड़ी भी अपनी फिटनेस और कोर स्ट्रेंथ को मजबूत करने के लिए यास्मीन से ही पिलाटीज की ट्रेनिंग लेते हैं।

वाराणसी में फर्जी दरोगा गिरफ्तार, वर्दी पहनकर करता था ठगी

वाराणसी में बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया। आरोप है कि युवक पुलिस की वर्दी पहनकर रिश्तेदारों और दोस्तों पर रौब जमाता था। इतना ही नहीं, वह लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे भी लेता था। जब लोग नौकरी के बारे में पूछते या अपने पैसे वापस मांगते, तो वह उन्हें जेल भेजने की धमकी देकर चुप करा देता था। आरोपी की हरकतों पर उसके एक दोस्त को शक हुआ। उसने पुलिस से शिकायत की। सूचना मिलने पर पुलिस उसके घर पहुंची तो युवक पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ने लगा। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार युवक की पहचान शिवपुर थाना क्षेत्र के इंदरपुर निवासी राजन (22) के रूप में हुई है। मामला चोलापुर थाना क्षेत्र का है। चोलापुर थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम ने बताया- पूरे मामले की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी पुलिस की वर्दी पहनता था। उसका व्यवहार और बातचीत का तरीका भी पुलिस अधिकारी जैसा था। पहली नजर में उसकी पहचान करना आसान नहीं था। पुलिस ने उसे पकड़कर थाने पहुंचाया। आरोप है कि युवक अपने एक दोस्त को यूपी पुलिस में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उससे पैसे मांग रहा था। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

वाराणसी के दालमंडी में चौड़ीकरण के तहत मस्जिदों का ध्वस्तीकरण शुरू

वाराणसी के दालमंडी में बुधवार सुबह 7:30 बजे से 5 मस्जिदें तोड़ी जा रही हैं। दोपहर 3 बजे तक करीब 30-40 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। एक मस्जिद की करीब 20 फीट ऊंची दो मीनारों को गिरा दिया गया है। करीब 200 मजदूर हथौड़ों से मस्जिदें गिराने में जुटे हैं। प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले रास्ते को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है। मौके पर सुरक्षा के लिए करीब 1860 जवान तैनात हैं। इनमें पीएसी की 7 कंपनियां, CRPF की एक बटालियन, RRF की एक बटालियन और स्थानीय पुलिस फोर्स शामिल है। यह कार्रवाई दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत की जा रही है। चौड़ीकरण परियोजना की जद में कुल 6 मस्जिदें आई हैं। इनमें से 5 मस्जिदों के प्रबंधन ने पहले ही ध्वस्तीकरण के लिए सहमति दे दी थी। जबकि एक मस्जिद को लेकर सहमति नहीं बन सकी। मुहर्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को इन्हीं 5 मस्जिदों के चिह्नित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस बीच पुलिस-प्रशासन ने मीडिया को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने से भी रोक दिया है। दरअसल, दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों और 6 मस्जिदों को हटाया जाना है। अब तक 162 मकानों पर कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से 80 मकानों को पूरी तरह जमींदोज किया जा चुका है। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों के साथ छह मस्जिदें भी प्रभावित हो रही हैं। इनमें लंगड़े हाफिज मस्जिद, निसारन की मस्जिद, रंगीले शाह मस्जिद, अली रजा मस्जिद, संगमरमर मस्जिद और मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग शामिल हैं। लंगड़े हाफिज मस्जिद को छोड़कर बाकी सभी मस्जिदों के प्रबंधन ने चौड़ीकरण के लिए सहमति दे दी थी। मुहर्रम से पहले सभी का सीमांकन और नाप-जोख पूरी कर ली गई थी। मुहर्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई।